

12 वीं के बाद पाठ्यक्रम की सूची (List of Courses after 12th)

Expert Kavita Sharma

यहां हम 12 वीं के बाद के पाठ्यक्रमों (Courses) के बारे में चर्चा करते हैं। 12 वीं के बाद बेहतरीन कोर्स तय करना कठिन है, जब आप अपनी 12 वीं परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, तो आप स्नातक पाठ्यक्रमों की अपेक्षा रखते हैं। इसलिए हमें उस कोर्स का चयन करना चाहिए जो हमारे कैरियर के लिए सर्वोत्तम है।

12 वीं के बाद पाठ्यक्रम की सूची (List of Courses after 12th)

जब छात्र / छात्राएं उच्च माध्यमिक स्तर पर प्रवेश करते हैं तो उनमें से ज्यादातर अपने भविष्य के बारे में चिंतित होते हैं। सबसे पहले 12 वीं के बाद स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए सर्वोत्तम कोर्स चुनना शुरू करें। कुछ छात्रों को, वे अपने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के लिए सही कोर्स के बारे में जानते हैं। लेकिन कुछ छात्रों को यह पता नहीं है कि उनके कैरियर के लिए सबसे अच्छा कौन सा कोर्स है।



स्नातक शिक्षा के क्षेत्र में हमारे कैरियर का पहला तरीका है। तो जो कुछ भी आप चुनते हैं, वह आपकी रुचि और जुनून के अनुसार होना चाहिए। उदाहरण के लिए यदि आप एक इंजीनियर बनना चाहते हैं तो आप बैचलर इन टेक्नोलॉजी (Bachelor in Technology) के लिए विकल्प चुनते हैं या आप अपनी रुचि के अनुसार कई अन्य विकल्पों के माध्यम से जा सकते हैं।

यहां ग्रेजुएशन (Graduation) के लिए उपलब्ध प्रत्येक पाठ्यक्रम के बारे में कुछ अच्छे सुझाव दिए गए हैं:

12 वीं के बाद इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम:

यदि आप इंजीनियर बनना चाहते हैं, यह पाठ्यक्रम आपको 12 वीं विज्ञान (Maths Group) के बाद चुनना होगा। बैचलर कोर्स की अवधि 4 साल (8 सेमेस्टर) होती है।



इंजीनियरिंग कोर्स एवं उनकी ब्रांच हैं:-

Engineering (B.E / B.Tech)

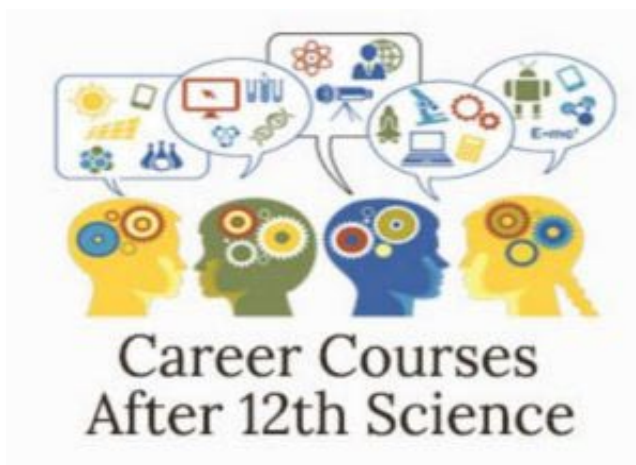
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Civil Engineering
- Chemical Engineering
- Computer Science Engineering
- IT Engineering
- IC Engineering
- EC Engineering
- Electronics Engineering
- Electronics and Telecommunication Engineering
- Petroleum Engineering
- Aeronautical Engineering
- Aerospace Engineering
- Automobile Engineering
- Mining Engineering

- Biotechnology Engineering
- Genetic Engineering
- Plastics Engineering
- Food Processing and Technology
- Agricultural Engineering
- Dairy Technology and Engineering
- Agricultural Information Technology
- Power Engineering
- Production Engineering
- Infrastructure Engineering
- Motorsport Engineering
- Metallurgy Engineering
- Textile Engineering
- Environmental Engineering
- Marine Engineering (for merchant navy career)
- Naval Architecture

डिप्लोमा कोर्स (Technical): 12 वीं विज्ञान (Science) के बाद, छात्र उपरोक्त इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के डिप्लोमा के लिए भी जा सकते हैं। डिप्लोमा पाठ्यक्रम 3 साल की अवधि का होता है। डिप्लोमा पूरा करने के बाद, छात्रों को बैचलर डिग्री इंजीनियरिंग कार्यक्रम में पार्श्व प्रवेश (Lateral Entry) का उपयोग करके प्रवेश मिल सकता है। यहां कुछ प्रसिद्ध डिप्लोमा कोर्स हैं-

- Diploma in Mechanical Engineering
- Diploma in Electrical Engineering
- Diploma in Civil Engineering
- Diploma in Chemical Engineering
- Diploma in Mining Engineering
- Diploma in Computer Science Engineering
- Diploma in Marine Engineering
- Diploma in EC Engineering
- Diploma in IC Engineering
- Diploma in Metallurgy
- Diploma in Sound Engineering

विज्ञान (Science) कोर्स: जो छात्र विज्ञान पाठ्यक्रमों को करने में रुचि रखते हैं, वे बी.एससी (B.Sc) पाठ्यक्रम कर सकते हैं। बीएससी (B.Sc) पाठ्यक्रम 3 साल तक का होता है।



- B.Sc. Honours
- B.Sc. IT
- B.Sc. Computer Science
- B.Sc. Chemistry
- B.Sc. Mathematics
- B.Sc. Physics
- B.Sc. Hotel Management
- B.Sc. Nautical Science
- B.Sc. Electronics
- B.Sc. Electronics and Communication
- BCA (similar to B.Sc. course structure)

12 वीं के बाद मैनेजमेंट कोर्स (Management courses)

विज्ञान (Science Group) वाले छात्र जो तकनीकी (Technical) या विज्ञान पाठ्यक्रमों (Science course) में रुचि नहीं रखते हैं, वे मैनेजमेंट कोर्स (Management course) कर सकते हैं।



Management Courses after 12th

मैनेजमेंट कोर्स (Management courses):

- BBA (Bachelor of Business Administration)
- BMS (Bachelor of Management Studies)
- Integrated BBA + MBA program (5 years duration)
- BHM (Bachelor of Hotel Management)
- Retail Management (Diploma)

12 वीं के बाद मेडिकल कोर्स (Medical Courses)

विज्ञान (Science Group) वाले छात्र जो मेडिकल कोर्स (Medical course) में रुचि रखते हैं, वे छात्र मेडिकल कोर्स कर सकते हैं | मेडिकल कोर्स की सूची नीचे दी गई है:

मेडिकल कोर्स (Medical Courses):

- MBBS (Bachelor Of Medicine, Bachelor Of Surgery)
- Nursing
- BDS (Bachelor Of Dental Surgery)
- BUMS (Bachelor Of Unani Medicine and Surgery)
- BAMS (Bachelor Of Ayurvedic Medicine and Surgery)
- Physiotherapy
- BHMS (Bachelor Of Homeopathic Medicine and Surgery)
- Medical Lab Technician

12 वीं के बाद कॉमर्स कोर्स (commerce courses)

कॉमर्स कोर्स (commerce courses) वाले छात्र जो कॉमर्स कोर्स (commerce courses) में रुचि रखते हैं, वे छात्र यह कोर्स कर सकते हैं |

कॉमर्स कोर्स (commerce courses):

- Bachelor Of Commerce (B.Com)
- Chartered Accountant (CA)
- Company Secretary (CS)

12 वीं के बाद आर्ट्स और ह्यूमैनिटी कोर्स (Arts and Humanities Courses)

आर्ट्स और ह्यूमैनिटी कोर्स (Arts and Humanities Courses) वाले छात्र जो इस कोर्स में रुचि रखते हैं, वे छात्र यह कोर्स कर सकते हैं |

आर्ट्स और ह्यूमैनिटी कोर्स (Arts and Humanities Courses):

- Photography
- Mass Communication
- Hotel Management and Catering
- Fashion Technology
- Animation and Multimedia
- Visual Arts
- Interior Design

12वीं गणित (Maths) के बाद सभी पाठ्यक्रम

हमारे स्कूल जीवन में गणित (Maths) सबसे महत्वपूर्ण विषय में से एक है और यह हमारे दैनिक जीवन में भी महत्वपूर्ण है। गणित हमें गणित प्रश्न (Mathematics Questions), पहेली

(Puzzle), खेल (Games), प्रश्नोत्तरी (Quizzes), कार्यपत्रकों (Worksheets) और मंच (Forums) को हल करने में मदद करते हैं।

छात्र/ छात्राएं जो 12वीं गणित (Maths) के बाद कोर्स करना चाहते हैं, उनके लिए यहाँ हमने उन सभी कोर्स की जानकारी दी है, जो वह 12वीं गणित (Maths) के बाद करना चाहते हैं। सबसे पहले तो हमें उस कोर्स का चयन करना चाहिए, जो हमारे करियर के लिए सही हो। इसी प्रकार से हमने गणित (Maths) से सम्बन्धित कोर्सों की सूची नीचे समझाया है।

12वीं गणित (Maths) के बाद सभी पाठ्यक्रम की सूची

12वीं मैथ्स के बाद सभी कोर्सेज के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करने के लिए इस पोस्ट में सभी पाठ्यक्रमों की सूची नीचे दी गयी है। सभी उम्मीदवार नीचे दी गयी जानकारी को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

12वीं गणित (Maths) के बाद इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम: इंजीनियरिंग कोर्स एवं उनकी ब्रांच हैं:-

Engineering (B.E / B.Tech)

- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Civil Engineering
- Chemical Engineering
- Computer Science Engineering
- IT Engineering
- IC Engineering
- EC Engineering
- Electronics Engineering
- Electronics and Telecommunication Engineering
- Petroleum Engineering
- Aeronautical Engineering
- Aerospace Engineering
- Automobile Engineering
- Mining Engineering
- Biotechnology Engineering
- Genetic Engineering

- Plastics Engineering
- Food Processing and Technology
- Agricultural Engineering
- Dairy Technology and Engineering
- Agricultural Information Technology
- Power Engineering
- Production Engineering
- Infrastructure Engineering
- Motorsport Engineering
- Metallurgy Engineering
- Textile Engineering
- Environmental Engineering
- Marine Engineering (for merchant navy career)
- Naval Architecture

डिप्लोमा कोर्स (Technical):

- Diploma in Mechanical Engineering
- Diploma in Electrical Engineering
- Diploma in Civil Engineering
- Diploma in Chemical Engineering
- Diploma in Mining Engineering
- Diploma in Computer Science Engineering
- Diploma in Marine Engineering
- Diploma in EC Engineering
- Diploma in IC Engineering
- Diploma in Metallurgy
- Diploma in Sound Engineering

विज्ञान कोर्स (Science Course):

- B.Sc. Honours
- B.Sc. IT
- B.Sc. Computer Science
- B.Sc. Chemistry
- B.Sc. Mathematics
- B.Sc. Physics

- B.Sc. Nautical Science
- B.Sc. Electronics
- B.Sc. Electronics and Communication
- BCA (similar to B.Sc. course structure)

इंजीनियरिंग (Engineering) कोर्स और उनकी ब्रांच

यदि आप 12वीं पास कर चुके हैं और आगे के करियर में इंजीनियरिंग (इंजीनियरिंग) कोर्स करने चाहते हैं तो, यहाँ हम इंजीनियरिंग कोर्स और उनकी ब्रांच के बारे में बता रहे हैं |

इंजीनियरिंग (Engineering) कोर्स और उनकी ब्रांच

B.Tech / BE: यह एक इंजीनियरिंग कोर्स है जो की चार साल की अवधि का होता है | और वे विद्यार्थी जो इंजीनियरिंग करना चाहते हैं उनके लिए इसमें अलग अलग ब्रांच होती है| जिसकी पूरी जानकारी नीचे दी गई है:

- **IC Engineering:** अन्य कोर्स और ब्रांच की तुलना में, कुछ कॉलेजों ने भारत में इस कोर्स का प्रस्ताव दिया है। इसके परिणामस्वरूप आईसी स्नातकों की कमी हुई है। आईसी इंजीनियर्स की मांग अधिक है लेकिन आपूर्ति पर्याप्त नहीं है नौकरी की संभावनाएं बहुत अच्छे हैं और वेतन भी अच्छा है |
- **IT Engineering:** इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी हमारे आधुनिक जीवन शैली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंप्यूटर के उद्भव के साथ, हम व्यापारिक दुनिया में समुद्र में बदलाव देख रहे हैं। बहु-राष्ट्रीय निगमों से छोटे व्यवसायों के लिए शुरु, आईटी एक शानदार भूमिका निभाती है संचार, इन्वेंटरी मैनेजमेंट, डेटा मैनेजमेंट, मैनेजमेंट सूचना प्रणाली और ग्राहक संबंध मैनेजमेंट के क्षेत्र में, आईटी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **Computer Science Engineering:** 21 वीं सदी में, टेक्नोलॉजी हमारे जीवन में बहुत इम्पोर्टेंट है। टेक्नोलॉजी क्षेत्र में तेजी के साथ, यह छात्रों के लिए एक आकर्षक कैरियर अवसर साबित हो रहा है, जो 12वीं पास कर के बाहर निकलने वाले स्टूडेंट्स उनके भविष्य के कैरियर विकल्प के लिए विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रहे हैं। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग सबसे लोकप्रिय कोर्स है।

- **Chemical Engineering:** केमिकल इंजीनियरिंग कार्यक्रम में निम्नलिखित विषयों- जैव रसायन, अकार्बनिक रसायन, द्रव यांत्रिकी, जैव रसायन, थर्मोडायनामिक्स, सुरक्षा प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया नियंत्रण, पेट्रो रसायन, उर्वरक, रासायनिक प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग, उपकरण डिजाइन, रासायनिक प्रक्रियाएं और रासायनिक संयंत्र डिजाइन के बारे में सिखाया जाता है।
- **Civil Engineering:** सिविल इंजीनियरिंग में इंजीनियरिंग गणित, भौतिकी, टाउन एंड सिटी प्लानिंग, भू तकनीकी इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल डिजाइन, भूकंप इंजीनियरिंग, संरचनाओं का रखरखाव, संरचनाओं की पुनर्स्थापना, सिंचाई इंजीनियरिंग, आपदा आकलन और मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल हैं। , सर्वेक्षण (मूल और उन्नत), कंक्रीट प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर एडेड डिजाइन और योजना की जानकारी भी दी जाती है।
- **Electrical Engineering:** सिविल इंजीनियरिंग में इंजीनियरिंग गणित, भौतिकी, टाउन एंड सिटी प्लानिंग, भू तकनीकी इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल डिजाइन, भूकंप इंजीनियरिंग, संरचनाओं का रखरखाव, संरचनाओं की पुनर्स्थापना, सिंचाई इंजीनियरिंग, आपदा आकलन और मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल हैं। , सर्वेक्षण (मूल और उन्नत), कंक्रीट प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर एडेड डिजाइन और योजना की जानकारी भी दी जाती है।
- **Mechanical Engineering:** मैकेनिकल इंजीनियरिंग विषयों में जैसे इंजीनियरिंग गणित, भौतिकी, द्रव यांत्रिकी, मशीन की गतिशीलता, मशीन का सिद्धांत, सामग्री विज्ञान, बॉयलर, आईसी इंजन, मशीन डिजाइन, उत्पाद डिजाइन, प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, औद्योगिक ड्राफ्टिंग, क्वालिटी इंजीनियरिंग, थर्मोडायनामिक्स, केनेमेटिक्स शामिल हैं। मशीन, विद्युत मशीन और जब मैकेनिकल इंजीनियरिंग की बात आती है, मैनेजमेंट वर्कशॉप सेशन एक थिओरी सेशन के रूप में महत्वपूर्ण हैं।
- **Electronics and communication Engineering:** इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में चैनलों में जानकारी प्रसारित किया जाता है | जैसे कि एक coax केबल, ऑप्टिकल फाइबर या फ्री स्पेस। आप डिजाइनिंग उपकरण जैसे राउटर, स्विचेस, मल्टीप्लेक्सर्स और इलेक्ट्रॉनिक स्विचिंग सिस्टम, तांबे की टेलीफोन सुविधा और फाइबर ऑप्टिक्स पर काम कर सकते हैं।
- **Petroleum Engineering:** एक पेट्रोलियम इंजीनियर पृथ्वी के नीचे तेल और गैस की निकासी का प्रबंधन करता है। वे नए निष्कर्षण विधियों और प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में भी शामिल हैं, जिसमें नए तरीके शामिल हैं जो पर्यावरण के लिए

अधिक कुशल और कम हानिकारक हैं। पेट्रोलियम इंजीनियरिंग उपलब्ध सबसे अधिक भुगतान इंजीनियरिंग पदों में से एक है। गैस और तेल कंपनियों के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे जलाशयों को लगाने में पेट्रोलियम इंजीनियर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

- **Aerospace Engineering:** एक एयरोस्पेस इंजीनियरिंग डिग्री में हवा और अंतरिक्ष यात्रा का अध्ययन किया जाता है। इसमें वाणिज्यिक विमान डिजाइन और उपग्रह प्रौद्योगिकी के साथ, सैन्य विमान डिजाइन और विकास शामिल हो सकते हैं। एयरोस्पेस और एयरोनॉटिकल दोनों ही शब्दों में अक्सर एक-दूसरे का उपयोग किया जाता है, फिर भी दोनों के बीच महत्वपूर्ण अंतर हैं। वैमानिकी इंजीनियरिंग हमारे वायुमंडल में बने शिल्प से संबंधित है, जबकि एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विमान को संदर्भित करता है जो कि हमारे वायुमंडल के बाहर का उपक्रम है।
- **Automobile Engineering:** जब आप सड़कों पर चलते हैं, तब आप फेरारी, पोर्श, रेंज रोवर, जगुआर, लेम्बोर्गिनी, बीएमडब्लू, ऑडी जैसे उच्च अंत शानदार कारों में आते हैं, तो क्या आप कभी भी अपनी कल्पना के बारे में सोचते हैं- डिजाइनर या निर्माता कौन हैं ये भव्य मशीनें हैं? आप इन आश्चर्यजनक मशीनों के डिजाइनर या डेवलपर भी हो सकते हैं। यदि आपको ऐसी मशीनों के लिए प्यार और जुनून है, तो ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में एक कैरियर आपके लिए एक संभावित विकल्प हो सकता है।
- **Mining Engineering:** माइनिंग इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग का एक विशेष क्षेत्र है। और इच्छुक इंजीनियरों से स्वीकृति प्राप्त की है, जो कोर इंजीनियरिंग से कुछ अलग करना चाहते हैं जिसमें कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल या केमिकल इंजीनियरिंग शामिल है।
- **Biotechnology Engineering:** जब बायोलॉजी और टेक्नोलॉजी को मिला दिया जाता है, हम इसे बायोटेक्नोलॉजी कहते हैं। यह विज्ञान में तेजी से बढ़ रहा है, और विकसित क्षेत्र है। जैव बायोटेक्नोलॉजी दुनिया में तेजी से और गतिशील रूप से बदल रहा है। बायोटेक्नोलॉजी एक शक्तिशाली उपकरण का एक सेट है, जो जीवों को जीवित जीव (या जीवों के कुछ हिस्सों) को रोजगार देने या संशोधित करने, पौधों या जानवरों को बेहतर बनाने, या विशिष्ट उपयोगों के लिए सूक्ष्मजीव विकसित करने के लिए काम करता है।
- **Food Processing and Technology:** कई छात्र इस ब्रांच को कम महत्व देते हैं। उन्हें लगता है कि यह क्षेत्र एक 'असली इंजीनियरिंग' ब्रांच नहीं है। यदि आप मुझसे पूछें तो वे इसे कम सम्मान देते हैं लेकिन फिर से सोचें, खाद्य प्रसंस्करण तेजी से बढ़ता

उद्योग है। भोजन मनुष्य की बुनियादी जरूरतों में से एक है | जब तक इस ग्रह पर मौजूद मानव जीवन मौजूद है, तब तक भोजन और खाद्य प्रसंस्करण विशेषज्ञों की मांग होगी! स्नातक आसानी से सरकारी नौकरियों के साथ ही खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्माण कंपनियों में निजी नौकरियां कर सकते हैं।

- **Agricultural Engineering:** यह ब्रांच कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए इंजीनियरिंग और कृषि विलय के बारे में है और खेती से जुड़ी मौजूदा प्रक्रियाओं, विधियों आदि को बढ़ाने के लिए है। संक्षेप में, इस इंजीनियरिंग की मदद से खेती की प्रथाओं में सुधार के साथ जुड़ा हुआ है। विदेश में, इस क्षेत्र से परिचित लोगों के लिए योग्य आर एंड डी प्रोफेशनल्स की काफी मांग है।
- **Dairy Technology and Engineering:** नाम से ही, यह पता लगा सकता है कि यह ब्रांच पिछले दो दशकों में डेयरी टेक्नोलॉजी और फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी का संयोजन है।
- **Agricultural Information Technology:** यह एक इंजीनियरिंग की एक क्रांतिकारी ब्रांच है, उत्पादकता को बढ़ावा देने के बारे में सोचो कि कृषि के क्षेत्र में जब सूचना प्रौद्योगिकी की अतिरिक्त शक्ति हो जाएगी! इस क्षेत्र ने भारत में अपना स्थान नहीं बनाया। लेकिन निकट भविष्य में, यह कोर्स स्नातक के लिए बहुत अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करेगा।
- **Power Engineering:** सबसे महत्वपूर्ण बात, पावर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सबसे बड़ी खोज माइकल फैराडे के समय में हुयी थी | माइकल फैराडे के मुताबिक, चुंबकीय प्रवाह में परिवर्तन तार के पास में एक विद्युत शक्ति को प्रेरित करता है।
- **Production Engineering:** प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में जटिल डिजाइन और एक उत्पाद बनाया जाता है | ऐसी प्रक्रिया काफी व्यापक हो सकती है, उपभोक्ताओं के लिए बड़े पैमाने पर टिकाऊ वस्तुओं के रूप में उपलब्ध कराए जाने वाले अंतिम उत्पादों के लिए कच्चे माल के प्रारंभिक उपयोग से सब कुछ शामिल किया जा सकता है।
- **Infrastructure Engineering:** इंफ्रास्ट्रक्चर एक देश, शहर या क्षेत्र की सेवा करने वाली मौलिक सुविधाएं और प्रणालियों को संदर्भित करता है, जिसमें इसकी अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक सुविधाएं और सुविधाएं शामिल हैं। यह आमतौर पर तकनीकी संरचनाओं जैसे कि सड़कों, पुलों, सुरंगों, पानी की आपूर्ति, सीवर, बिजली के ग्रिड, दूरसंचार, आदि के रूप में परिभाषित कर सकते हैं |

- **Metallurgy Engineering:** Metallurgy इंजीनियरिंग का एक क्षेत्र है | जिसमें धातु के तत्वों के भौतिक और रासायनिक व्यवहार का अध्ययन करते हैं, उनके इंटरमिलेटिक यौगिकों, और उनके मिश्रण, जिन्हें मिश्र धातु कहा जाता है |
- **Textile Engineering:** टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग का एक अनुशासन है | जो वस्त्र निर्माण में शामिल विभिन्न चरणों पर आधारित है। कच्चे माल के उत्पादन और प्रसंस्करण से छपाई और व्यापार के लिए - सभी विषयों को इस इंजीनियरिंग ब्रांच द्वारा किया जाता है।
- **Environmental Engineering:** पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग, मिट्टी विज्ञान, जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। वे रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट निपटान, सार्वजनिक स्वास्थ्य, और पानी और वायु प्रदूषण नियंत्रण को सुधारने के प्रयासों में शामिल हैं। वे वैश्विक मुद्दों, जैसे असुरक्षित पेयजल, जलवायु परिवर्तन, और पर्यावरणीय स्थिरता को भी संबोधित करते हैं।
- **Marine Engineering (for merchant navy career):** इस इंजीनियरिंग ब्रांच को प्रशिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि व्यापारी नौसेना के जहाजों पर समुद्री इंजीनियर्स बन सकें। कोर्स के अंत में, सफल उम्मीदवारों को योग्यता के 4 श्रेणी के समुद्री इंजीनियर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है। यह प्रमाण पत्र शिपमेंट मंत्रालय, भारत द्वारा दिया जाता है। कृपया ध्यान दें कि यह प्रमाणपत्र केवल 6 महीने की समुद्री सेवा के पूरा होने के बाद ही प्रदान किया जाता है।
- **Naval Architecture:** नवल आर्किटेक्चर जल-यंत्र की डिजाइन और निर्माण करने की प्रक्रिया है | जो जल यात्रा को संभव बनाता है। पेशेवर जो इस क्षेत्र के डिजाइन में काम करते हैं और कई विभिन्न प्रकार के समुद्री जहाजों और संरचनाओं का निर्माण करने में सहायता करते हैं। उदाहरण के लिए, वे पानी के ढांचे को डिजाइन करते हैं जो पानी के ऊपर तैरता है और यात्रा करता है, छोटे नावों से जहाजों तक।

इंजीनियरिंग में प्रवेश, स्कोप, करियर, नौकरियां, वेतन की जानकारी

इंजीनियरिंग (Engineering) समस्याओं को हल करने के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का अनुप्रयोग है। इंजीनियरिंग समस्या को हल करने, डिजाइनिंग और चीजों के निर्माण के माध्यम से जीवन में आने के लिए इस समझ को सक्षम बनाता है।

इंजीनियरिंग में प्रवेश, स्कोप, करियर, नौकरियां, वेतन की जानकारी

वे छात्र / छात्राएं जो 12वीं गणित (Maths) की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हों। और इंजीनियरिंग में रुचि रखते हों उनके लिए इंजीनियरिंग करियर ऑप्शन सबसे सही चयन है। इंजीनियरिंग कोर्स 4 वर्षों की अवधि का होता है।

इंजीनियरिंग में प्रवेश:

इंजीनियरिंग (Engineering) में प्रवेश के लिए सम्बन्धित जानकारी नीचे दी गई है।

- छात्रों / छात्राओं को इंजीनियरिंग कोर्स में प्रवेश करने के लिए गणित (Maths) भौतिक विज्ञान (Physics), और रसायन विज्ञान (Chemistry), के साथ अपनी 10 + 2 शिक्षा पूरी करनी होगी और न्यूनतम 50% अंको का स्कोर प्राप्त करना होगा। और आरक्षित वर्ग के छात्रों को न्यूनतम 45% अंको का स्कोर करना होगा।
- भारत में, इंजीनियरिंग में प्रवेश रैंक के आधार पर होता है, जो अक्वल रहने वाले छात्र है, उनको पहले कॉलेजों में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। संयुक्त इंजीनियरिंग परीक्षा जी मेन (JEE Main) और एडवांस (Advance) आईआईटी (IIT) में आवेदन के लिए उम्मीदवारों एंट्रेंस परीक्षण (Entrance Exam) जी (JEE) के माध्यम से जाते हैं। जिसके माध्यम से आप देश में अच्छे कॉलेजों में भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रदर्शन के आधार पर आप राज्य रैंक (State Rank) और राष्ट्रीय रैंक (National Rank) दी जाती है। फिर अलग कॉलेजों में रैंक द्वारा निर्धारित मापदंड के आधार पर, राष्ट्रीय / राज्य स्तरों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

भारत में इंजीनियरिंग के लिए टॉप विश्वविद्यालय / संस्थान:

- IIT (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी)
मुम्बई, दिल्ली, कानपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, खड़गपुर, रुड़की
- NIT (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी)
- BITS Pilani (बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस)
- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफार्मेशन एंड टेक्नोलॉजी हैदराबाद
- NSIT (नेताजी सुभाष इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी) दिल्ली

इंजीनियरिंग में स्कोप / करियर:

हर क्षेत्र के इंजीनियर्स की दुनिया भर में काफी डिमांड है। और बहुत अच्छा अवसर है। वे हर सरकारी और निजी क्षेत्रों में काम करते हैं, लगभग किसी भी और हर उद्योग में, सॉफ्टवेयर कंपनियों में और इसके अलावा वे अपने स्वयं के व्यवसाय भी स्थापित कर सकते हैं। इनमें से जो भी तरह वे काम करने के लिए कामना करते हैं, पैसा और वर्तमान नियोक्ताओं के एक संतोषजनक राशि कमाई की गुंजाइश नहीं है | हर जगह के मुताबिक इंजीनियरिंग कैरियर के प्रारंभिक चरण में रुपये 20,000-25,000 वेतन हो जाता है |

इंजीनियरिंग के बाद नौकरियां (जॉब प्रोफाइल):

- सिविल इंजिनियर
- मैकेनिकल इंजिनियर
- सॉफ्टवेर इंजिनियर
- ऑटोमोबाइल इंजिनियर
- इलेक्ट्रिकल इंजिनियर

इंजिनियर पूरा करने के बाद वेतनमान:

वर्तमान में हर जगह इंजिनियर कैरियर के प्रारंभिक चरण में न्यूनतम रुपये 20,000-25,000 वेतन होता है | और यह कॉलेज जिसमें से आप इंजिनियरिंग पूरा करके बाहर आते हैं, उस पर निर्भर करता है कि हमारी सामान्य वृद्धि किस प्रकार से है, यदि आपको नॉलेज अच्छा है तो, आपका वेतन और भी अधिक हो सकता है।

डिप्लोमा कोर्स (Technical) में एडमिशन, स्कोप, करियर, नौकरियां, वेतन की जानकारी

वह छात्र / छात्राएं जो 12वीं के बाद इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कोर्स (Technical) करना चाहते हैं, उनके लिए यहाँ डिप्लोमा कोर्स से सम्बन्धित सभी जानकारी दी गई है | डिप्लोमा कोर्स की अवधि 3 साल की होती है |

डिप्लोमा कोर्स (Technical) में एडमिशन, स्कोप, करियर, नौकरियां, वेतन की जानकारी

गणित समूह (Maths Group) के छात्रों, जिनके पास कम अंक हैं, डिग्री इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम की जगह डिप्लोमा का कोर्स कर सकते हैं। डिप्लोमा शिक्षा पूरी करने के बाद, वे पार्श्व प्रवेश (Lateral Entry) योजना का उपयोग करके बैचलर डिग्री कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। कुछ पारंपरिक डिप्लोमा कोर्स (Technical) हैं-

डिप्लोमा कोर्स (Technical):

- Diploma in Mechanical Engineering:

मैकेनिकल इंजीनियर मैनुफैक्चरिंग यूनिट के डिजाइन और निर्माण का कार्य, और सरल और जटिल मशीनरी का निर्माण करते हैं। उन्हें विभिन्न डोमेनों में कुशल होने के लिए ट्रेड किया जाता है। वे कंप्यूटर अनुप्रयोगों, बिजली, संरचनाओं आदि में ट्रेड होते हैं। वे सरकारी, सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में नौकरी कर सकते हैं।

- Diploma in Electrical Engineering

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग का एक अनुशासन है। जो विद्युत, बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व पर केंद्रित है। सरल शब्दों में, यह अनुशासन बिजली उत्पादन, इसके भंडारण, संचरण, अनुप्रयोगों, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व से संबंधित है।

- Diploma in Civil Engineering

सिविल इंजीनियर डिजाइन, विकास, निर्माण, परीक्षण, पर्यवेक्षण और बुनियादी सुविधाओं को बनाए रखने का कार्य करते हैं। उनके काम में बांधों, जलमार्ग, हवाई अड्डों, इमारतों, सुरंगों, पुलों, पाइपलाइनों और सीवेज सिस्टम जैसे डिजाइन और निर्माण संरचना भी शामिल हैं। एक सिविल इंजीनियर निजी और परामर्श कंपनियों और सरकारी संगठनों में नौकरी पा सकते हैं। आम तौर पर यह, निर्माण स्थलों और विनिर्माण संयंत्रों पर काम होता है।

- Diploma in Chemical Engineering

एक केमिकल इंजीनियर के रूप में, आप तीनों डोमेन में से किसी में काम कर सकते हैं: अनुसंधान, उत्पादन और डिजाइन | उत्पादन कार्य रासायनिक प्रक्रिया उद्योगों, तेल अन्वेषण एवं रिफाइनरियों, फार्मास्युटिकल कंपनियों आदि में पाया जा सकता है। ऐसे रोजगार में सामग्री का उत्पादन शामिल है। डिजाइनिंग नौकरियां इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण संगठनों में पाई जा सकती हैं। सामान्य तौर पर, आप निजी कंपनियों, परामर्श फर्मों और सरकारी संगठनों में नौकरी पा सकते हैं।

- Diploma in Mining Engineering

यह इंजीनियरिंग की एक ब्रांच है, जो पृथ्वी के खनिजों और अन्य संसाधनों को निकालने की प्रक्रिया में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों का उपयोग करता है। माइनिंग इंजीनियरिंग की खनन प्रक्रिया उत्पादकता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी और विज्ञान के उपयोग पर केंद्रित है।

- Diploma in Computer Science Engineering

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में छात्र एल्गोरिदम, प्रोग्रामिंग भाषाओं, ऑपरेटिंग सिस्टम, डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम, कंप्यूटर नेटवर्क, कंप्यूटर ग्राफिक्स और आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के बारे में अध्ययन करते हैं। वे छात्र जो कंप्यूटर साइंस में रुची रखते हैं उनके लिए यह सही कोर्स सेलेक्शन है।

- Diploma in Marine Engineering

मरीन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा विशिष्ट इंजीनियरिंग ब्रांच से संबंधित डिप्लोमा, मरीन इंजीनियर्स बनने के लिए इस डिप्लोमा कोर्स का उपयोग कर सकते हैं और मर्चेन्ट नेवी जहाजों पर काम कर सकते हैं।

- Diploma in EC Engineering

यह क्षेत्र इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रासंगिक सॉफ्टवेयर पर आधारित है। इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग को ईसी (EC) इंजीनियरिंग के संक्षिप्त नाम से भी जाना जाता है।

- Diploma in IC Engineering

इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग में, इंस्ट्रूमेंटेशन निर्माण / उत्पादन प्रक्रियाओं के दौरान चलने वाले प्रक्रिया को मापने और नियंत्रित करने के लिए है। इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, नियंत्रण इंजीनियरिंग नियंत्रण प्रणाली के डिजाइन, विकास और रखरखाव पर केंद्रित है।

- Diploma in Metallurgy

यह इंजीनियरिंग की एक ब्रांच है, जिसमें हम भौतिक विज्ञान और भौतिक इंजीनियरिंग की सभी जानकारी के बारे में अध्ययन करते हैं। मूल रूप से यह, धातुकर्म इंजीनियरिंग धातु के तत्वों, उनके यौगिकों और मिश्र धातुओं के भौतिक और रासायनिक गुणों के साथ काम करता है।

- Diploma in Sound Engineering

साउंड इंजीनियरिंग साउंड और म्यूजिक में टेक्निकल और क्रिएटिव शिक्षा का मिश्रण है। यहां हर छात्र साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग और मिक्सिंग के बारे में पूर्ण रूप से अध्ययन करते हैं।

डिप्लोमा कोर्स (Technical) में एडमिशन लेने की प्रक्रिया:

- 10 + 2 साइंस ग्रुप (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विषयों के साथ) आवश्यक न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के रूप में। अपेक्षित न्यूनतम कुल अंक 50% है (यह एक संस्थान से दूसरे में भिन्न हो सकता है)।
- स्टूडेंट्स को शारीरिक रूप से और मानसिक रूप से फिट होना चाहिए।
- कुछ कॉलेज में डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन लेने के लिए स्टूडेंट्स को एंट्रेंस टेस्ट के मेरिट मार्क्स के बेस पर लियाया जाता है।
- 12 वीं के बाद भी अपनी पसंद के आधार पर। पाठ्यक्रम (course) संबद्ध कॉलेजों द्वारा खुद ही ओपफर्ड किया जाता है।

भारत में डिप्लोमा कोर्स (Technical) के कुछ कॉलेज / यूनिवर्सिटी की सूची:

1. गवर्नमेंट पॉलिटैक्निक मुंबई,
2. एस एच जौधले पॉलिटैक्निक ठाणे
3. वी.पी.एम. पॉलिटैक्निक ठाणे
4. विवेकानंद शिक्षा सोसायटी की पॉलिटैक्निक मुंबई
5. आदेश पॉलिटैक्निक कॉलेज मुक्तिस
6. अंजुमन पॉलिटैक्निक नागपुर
7. एंजेल पॉलिटैक्निक नवी मुंबई

8. छोटू राम पॉलिटेक्निक रोहतक
9. अधिपरासक्थी पॉलिटेक्निक कॉलेज कांचीपुरम
10. MEI पॉलीटेक्निक बेंगलोर

डिप्लोमा कोर्स (Technical) के बाद करियर / स्कोप / नौकरियां:

डिप्लोमा के बाद सरकारी क्षेत्र या निजी क्षेत्र में आपके लिए विभिन्न कैरियर के अवसर हैं। कुछ कंपनियां इंजीनियरिंग छात्रों की बजाय पॉलिटेक्निक छात्रों की भर्ती करना पसंद करती हैं। सरकारी क्षेत्र के बारे में यह उपलब्ध अवसर हैं।

- भारतीय रेल
- बीएचइएल
- बीईएल
- एनटीपीसी
- पावर ग्रिड
- विद्युत विभाग

निजी क्षेत्र के बारे में बात करते हुए आप अपने क्षेत्र से संबंधित कंपनियों और नौकरी के लिए अच्छे फ्रेशर पैकेज के साथ नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप बहुत भाग्यशाली हैं तो आप कॉलेज में प्रयोगशाला सहायक के रूप में भी काम कर सकते हैं।

डिप्लोमा कोर्स (Technical) कोर्स के लिए अनुमानित फीस:

डिप्लोमा कोर्स (Technical) कोर्सेज के लिए अलग अलग कॉलेजस में अलग अलग फी स्ट्रक्चर है, जिसका औसत सरकारी संस्थान में शिक्षण शुल्क 15,000 रुपये से लेकर 20,000 रूपए तक है | तथा प्राइवेट संस्थान में शिक्षण शुल्क 50,000 रूपए से लेकर 1 लाख रूपए तक है | विद्यार्थी को डिप्लोमा कोर्स (Technical) में प्रवेश लेने के लिए प्रवेश परीक्षा देने की जरूरत है |

डिप्लोमा कोर्स (Technical) के लिए वेतनमान:

डिप्लोमा कोर्स पूरा करने के बाद आप एक इंजिनियर के रूप में 8,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये प्रति माह हो सकता हैं | इस क्षेत्र में अच्छा अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको प्रति वर्ष 2 से 3 लाख रूपए के रूप में अच्छा वेतन मिल सकता है |

बीएससी (B.Sc.) कोर्स में एडमिशन, स्कोप, करियर, नौकरियां, वेतन की जानकारी

वह छात्रों जो 12वीं गणित के बाद बीएससी (B.Sc.) कोर्स में रुचि रखते हैं , उनके लिए विज्ञान कोर्स से सम्बन्धित सभी जानकारी नीचे दी गई है। यह कोर्स 3 वर्ष की अवधि का होता है ।

बीएससी (B.Sc.) कोर्स में एडमिशन, स्कोप, करियर, नौकरियां, वेतन की जानकारी

इंजीनियरिंग के बाद , बीएससी कोर्स 12 वीं विज्ञान के छात्र अक्सर चुनते हैं | बी.एससी कोर्स, पाठ्यक्रम अवधि 3 साल है | स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद, यदि आप स्नातकोत्तर कोर्स करना चाहते हैं तो- एम.एससी 2 साल तक रहता है।

कुछ बीएससी कोर्स नीचे दिए गए हैं:-

1. **B.Sc. Honours:** बीएससी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम , तीन साल का कोर्स , भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और गणित सहित विज्ञान के विशेष ज्ञान में व्यापक ज्ञान प्रदान करता है। बीएससी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम के प्रवेश आम तौर पर 10 + 2 स्तर के छात्रों प्रवेश कर सकते हैं |
2. **B.Sc. IT:** यह 3 साल का स्नातक कोर्स है। छात्र एक मान्यता प्राप्त बोर्ड से अपनी 12 वीं विज्ञान स्ट्रीम स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स को कर सकते हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है , यह कोर्स इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में है | बीएससी आईटी कोर्स, आईटी इंजीनियरिंग कोर्स के समान भी है।
3. **B.Sc. Computer Science:** बीएससी कंप्यूटर साइंस डिग्री बीएससी और बीसीए जैसे अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम के समान हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है |
4. **B.Sc. Chemistry:** हमारे जीवन रोज के जीवन में रसायन विज्ञान का क्षेत्र बहुत महत्व है। इसे सामान्यतः 'विज्ञान के विज्ञान ' के रूप में जाना जाता है। यदि उम्मीदवार सफलतापूर्वक बीएससी रसायन विज्ञान में डिग्री प्राप्त करते हैं तो उनके पास नौकरियों के विभिन्न विकल्प होते हैं।

5. **B.Sc. Mathematics:** बीएससी गणित में स्नातक एक गणित या संबंधित विषयों जैसे कि कंप्यूटर विज्ञान में अध्ययन के कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सम्मानित एक स्नातक शैक्षणिक डिग्री है।
6. **B.Sc. Physics:** बैचलर ऑफ साइंस इन फिजिक्स, जिसे भौतिक विज्ञान में बीएससी के रूप में जाना जाता है, 3 वर्षीय स्नातक कोर्स है। भौतिक विज्ञान एक प्राकृतिक विज्ञान है | जिसमें पदार्थ के अध्ययन और अंतरिक्ष के माध्यम से इसकी गति शामिल है , ऊर्जा या बल की समान अवधारणाओं के साथ समयबद्ध है | पाठ्यक्रम की अवधि न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष है।
7. **B.Sc. Nautical Science:** बीएससी नौटिकल साइंस यह एक मैरीटाइम स्टडीज से संबंधित क्षेत्र है | और रोमांचक, साहसी और साथ ही साथ आर्थिक रूप से पुरस्कृत कैरियर प्रदान करता है। बी.एससी नौटिकल साइंस में डिग्री 3 साल की अवधि वाला कोर्स है |
8. **B.Sc. Electronics:** बैचलर ऑफ साइंस या बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स एक स्नातक कोर्स है जो ट्रांजिस्टर, वैक्यूम ट्यूबों, एकीकृत सर्किट और डायोड जैसे विद्युत सर्किटों के मूल सिद्धांतों का परिचय देता है। यह 3 साल का कोर्स है और इसे 6 सेमेस्टर में विभाजित किया गया है।
9. **B.Sc. Electronics and Communication:** इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग डिग्री पूरा करने के बाद छात्रों को आसानी से विनिर्माण उद्योगों और सेवा संगठनों जैसे रोजगार, परामर्श, डेटा संचार, मनोरंजन, अनुसंधान और विकास में रोजगार के अवसरों का लाभ मिल सकता है ; और सिस्टम समर्थन उम्मीदवार आधुनिक मल्टीमीडिया सेवा फर्मों में भी काम कर सकते हैं | जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और इंटरनेट प्रसारण के जरिए जानकारी के वास्तविक समय में शामिल हैं।
10. **BCA (similar to B.Sc. course structure):** बीएससी, बीसीए जैसे भी एक 3 साल की अवधि का कोर्स है | यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और अनुप्रयोगों, प्रोग्रामिंग भाषाओं आदि पर केंद्रित है।

बीएससी कोर्स में एडमिशन लेने की प्रक्रिया:

- 10 + 2 साइंस ग्रुप (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विषयों के साथ) आवश्यक न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के रूप में अपेक्षित न्यूनतम कुल अंक 45% है (यह एक संस्थान से दूसरे में भिन्न हो सकता है)।
- कुछ संस्थानों में बीएससी कोर्स में एडमिशन एंट्रेंस टेस्ट के मेरिट मार्क्स के आधार पर होता है |

- जबकि कुछ संस्थानों में बीएससी कोर्स में एडमिशन 12th (science group) के परसैंटेज मार्क्स के आधार पर किया जाता है ।

भारत में बीएससी कोर्स के टॉप कॉलेज / यूनिवर्सिटी की सूची:

- ST STEPHEN'S COLLEGE, NEW DELHI
- LOYOLA COLLEGE, CHENNAI
- ST. XAVIER'S COLLEGE, MUMBAI
- CHRIST UNIVERSITY, BANGALORE
- MADRAS CHRISTIAN COLLEGE - [MCC], CHENNAI
- THE OXFORD COLLEGE OF SCIENCE - [TOCS], BANGALORE
- STELLA MARIS COLLEGE, CHENNAI
- RAMJAS COLLEGE, NEW DELHI
- FERGUSSON COLLEGE, PUNE
- HANS RAJ COLLEGE - [HRC], NEW DELHI

बीएससी कोर्स के बाद करियर / स्कोप / नौकरियां:

- एक अकादमिक पाठ्यक्रम की तरह ही, जिन छात्रों के पास बीएससी डिग्री है उन्हें भी उत्कृष्ट रोजगार के अवसर हैं। बीएससी स्नातकों के लिए नौकरियां विज्ञान के क्षेत्र में सिर्फ प्रतिबंधित नहीं हैं बल्कि मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, कानून आदि जैसे अन्य क्षेत्रों जॉब के अवसर हैं।
- बीएससी पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, छात्र विभिन्न क्षेत्रों में काम कर सकते हैं जिसमें विज्ञान और गैर-विज्ञान दोनों क्षेत्रों शामिल हैं।
- छात्रों के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसर केवल वेतन पैकेज के मामले में महान नहीं हैं, बल्कि एक संतोषजनक नौकरी का अनुभव भी है।
- बीएससी के बाद छात्रों के लिए विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। कुछ कॉलेजों में छात्रों को बड़े संगठनों द्वारा सीधे एक बहुत अच्छे वेतन पैकेज में भर्ती कराया जाता है।

12वीं कॉमर्स (Commerce) के बाद सभी पाठ्यक्रम

वह स्टूडेंट्स जो 12वीं कॉमर्स (Commerce) के बाद कोर्स करना चाहते हैं, उनके के लिए यहाँ हमने उन सभी कोर्स की जानकारी दी है, जो वह 12वीं कॉमर्स के बाद करना चाहते हैं | सबसे

पहले तो हमें उस कोर्स का चयन करना चाहिए, जो हमारे करियर के लिए सही हो। इसी प्रकार से हमने कॉमर्स से सम्बन्धित सभी कोर्सों की सूची नीचे समझाया है।

12वीं कॉमर्स (Commerce) के बाद सभी पाठ्यक्रम

12वीं कॉमर्स के बाद सभी कोर्सेज के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करने के लिए इस पोस्ट में सभी पाठ्यक्रमों की सूची नीचे दी गयी है। सभी उम्मीदवार नीचे दी गयी जानकारी को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

कोर्सेज (Courses): वह छात्र जो कॉमर्स कोर्स (commerce courses) में रुचि रखते हैं, वे छात्र यह कोर्स कर सकते हैं।

1. Bachelor Of Commerce (B.Com)
2. Chartered Accountant (CA)
3. Company Secretary (CS)
4. Law
5. B.B.A.
6. Bachelor of Economics
7. C.S. (Company Secretary) course
8. Hospitality Diploma courses
9. Event Management course
10. Bachelor of Statistics
11. Actuarial Science
12. C.M.A.
13. Bachelor of Management Studies (BMS)
14. Bachelor of Business Studies (BBS)

बीकॉम (B.Com) में एडमिशन, करियर, स्कोप, नौकरियां और सैलरी की पूरी जानकारी

बीकॉम कोर्स एक स्नातक डिग्री है | वह स्टूडेंट्स जो 12वीं कॉमर्स के बाद बीकॉम कोर्स करना चाहते हैं उन्हें यहाँ कोर्स से सम्बन्धित सभी जानकारियां मिलेंगी | बीकॉम कोर्स सम्बन्धित सभी जानकारी नीचे पोस्ट में दी गई है |

बीकॉम (B.Com) में एडमिशन, करियर, स्कोप, नौकरियां और सैलरी की पूरी जानकारी

यह भारत में कॉलेजों द्वारा की जाने वाली सबसे पुरानी डिग्री है। आम तौर पर, यह एक ऐसा कोर्स है जो 3 साल तक की अवधि का होता है। बीकॉम आमतौर पर वाणिज्य क्षेत्र से संबंधित विषयों का एक सामान्य कोर्स है।

बीकॉम में एडमिशन: बीकॉम कोर्स में एडमिशन लेने के लिए निम्न प्रक्रिया नीचे दी गई है:

- बीकॉम कोर्स में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को 12th कॉमर्स में कम से कम 45% मार्क्स होने चाहिए |
- बीकॉम में प्रवेश के लिए स्टूडेंट को मूल विषयों के रूप में गणित और अंग्रेजी के साथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परीक्षा में पास होना चाहिए। हालांकि, अलग-अलग विश्वविद्यालयों में कट-ऑफ के जरिये एडमिशन होता है। कट ऑफ बड़े पैमाने पर 10 + 2 परीक्षाओं में छात्रों के प्रदर्शन और कोर्स में आवेदन करने वाले योग्य छात्रों की संख्या पर निर्भर करते हैं।

भारत में टॉप 10 बीकॉम कॉलेज:

1. Shri Ram College of Commerce Delhi/NCR
2. Loyola College (LC, Chennai) Chennai
3. Lady Shri Ram College for Women Delhi/NCR
4. St. Xavier's College (SXC Kolkata) Kolkata
5. Hindu College Delhi/NCR
6. Christ University Bangalore
7. Hans Raj College Delhi/NCR
8. Madras Christian College Chennai

9. Narsee Monjee College of Commerce and Economics Mumbai (All)

10. Ethiraj College for Women (Ethiraj) Chennai

बीकॉम कोर्स के बाद स्कोप / करियर / नौकरियां:

बीकॉम शिक्षा के मामले में और साथ ही तत्काल नौकरियों के लिए दोनों उम्मीदवारों के लिए अच्छे दायरे हैं। जिन्होंने वाणिज्य में अपनी स्नातक की डिग्री पूरी कर ली है। संबंधित क्षेत्र में शिक्षा विभिन्न प्रकार के करियर के लिए एक उत्कृष्ट आधार है बी कॉम के सफल समापन पर, उम्मीदवार व्यवसाय और वित्त से संबंधित नौकरियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। पेशेवर बैंकिंग, कम्पनी सचिव जहाज, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, लागत और कामकाजी लेखा रोजगार जैसे वित्त क्षेत्र में रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बीकॉम कोर्स के बाद अनुमानित सैलरी:

भारत में एक बीकॉम फ्रेशर के रूप में, आपको प्रति माह 14,000-20,000 रुपये की सीमा में न्यूनतम वेतन प्राप्त हो सकता है। सबसे अधिक मांग वाले कॉमर्स स्नातकों को निजी संगठनों में प्रवेश स्तर के सबसे अधिक पदों के लिए प्रति माह 25,000 से 45,000 रुपये सैलरी मिल सकती है।